



माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

2017

24 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
उत्तर पुस्तिका का सरल क्रमांक	2362714	
अंकों में	परीक्षार्थी का रोल नम्बर	
2 7 2 1 3 3 8 9 4 -		
शब्दों में	दो सात दो एक तीन चार पाँच छः आठ	

नीचे दिये गये उदाहरण के अनुसार रोल नम्बर भरें

उदाहरणार्थ	1	1	2	4	3	9	5	6	8
	एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पाँच	छः	आठ

केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

क - पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या अंकों में	X	शब्दों में	X
ख - परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक	06		
ग - परीक्षा का दिनांक	21	03	2017
परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा			
रश्मि कान्दोली परीक्षा		केन्द्र क्रमांक-12927	
पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर	केन्द्राध्यक्ष/सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर		
Rashmi Kando			

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

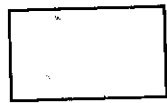
परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि मूल्यांकन के समय पूरक उत्तर पुस्तिकाओं की संख्या उपरोक्तानुसार सही पाई होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टि एवं अंकों का योग सही है।	
निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।	
उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।			
प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तियों की प्रविष्टि करें।			
प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्त	(अंकों में)
1			
2			
3			
4			
5			
6			
7			
8			
9			
10			
11			
12			
13			
14			
15			
16			
17			
18			
19			
20			
21			
22			
23			
24			
25			
26			
27			
28			
कुल प्राप्तियाँ			

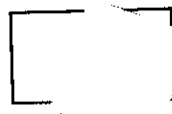
Laser/Sheet/center/India/J-45/124 64 X 34 mm X 24

2



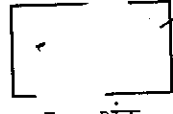
योग पूर्व पृष्ठ

+



पृष्ठ

=



कुल अंक



प्रश्न क्रमांक [1] उत्तर

(i) 8-10 या 10% ✓

MISSAS

(ii) लमक ✓

(iii) दुग्ध विधान ।

(iv) सहकारिता ।

(v) उत्तर प्रदेश ।

प्रश्न क्रमांक [2] का उ.

(i) → (b) जंगल । ✓

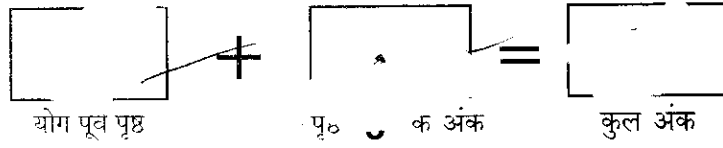
(ii) → (c) सानेन । ✓

(iii) → (d) 0°C ✓

(iv) (b) → 5% । ✓

(v) → (a) जीवाणु । ✓

3



MADHYAPRADESH BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL

संक्र.

प्रश्न क्रमांक [3] के उ०

स्तम्भ 'क'	स्तम्भ 'ख'
(i) बाह्य परजीवी	जूँ
(ii) फिल्टर फासिंग जीवाणु	फाउल पाँक्स
(iii) विषाणु टाइप - एक	न्यूकेसिस
(iv) स्ट्रिप कम परीक्षण	थनेला
(v) क्लॉस्ट्रिडियम सोवियार्ड	लंगड़ी

प्रश्न क्रमांक [4] के उ०

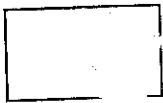
(i) सत्य
(ii) असत्य
(iii) सत्य
(iv) सत्य
(v) असत्य

कृपया पृष्ठ पलटें

जारी है.



4



+



=>



योग पूर्व पृष्ठ

पृष्ठ 4 के अंक

कुल अंक

प्रश्न क्र. [5] का उ.

अथवा

(A) देशी जातियाँ : — रोहू, कतला ।

(B) विदेशी जातियाँ : — बिना हेड, सिल्वर कार्प, कॉमन कार्प ।

प्रश्न क्रमांक [6] का उ.

शुकर में होने वाले 4 रोग निम्न हैं : —

- (A) शुकर इन्फ्लूएन्जा ।
- (B) रतुरपका - मुँहफका ।
- (C) रतुजली ।
- (D) एन्थ्रैक्स ।
- (E) स्वाइन ।

प्रश्न क्रमांक [7] का उ.

माँस के लिए पाली जाने वाली बकरियों के नाम निम्न हैं : —

- (A) ब्लैक बंगाल ।
- (B) गंजम ।
- (C) चेंगू ।
- (D) कश्मीरी ।
- (E) मद्दी ।

5

$$\boxed{\quad} + \boxed{\quad} = \boxed{\quad}$$

... 2 पृष्ठ पृष्ठ 5 क अंक कुल अंक



अंक

प्रश्न क्रमांक [87] का उ.

अथवा

क्रीम सेपरेटर मशीन के चार भागों के नाम निम्न हैं:-

- (A) क्रीम स्पाउट ।
- (B) सेपरेटर मशीन का फ्रेम ।
- (C) रेग्युलेटर ।
- (d) बाल ।
- (E) डिस्क ।
- (f) स्वर रिंग ।

क्रीम सेपरेटर मशीन अपकेन्द्रीय सिद्धांत पर कार्य करती है।

प्रश्न क्रमांक [97] का उ.

पशु शरीर में प्रोटीन के कार्य निम्न हैं:-

- (i) प्रोटीन पशु शरीर की कोशिकाओं का निर्माण करता है, तथा यह टूटे-फूटे अंतकों की मरम्मत का कार्य करता है ।
- (ii) प्रोटीन पशु शरीर के लिए आवश्यक सभी अमिनो अम्ल प्रदान करता है ।

(iii) प्रोटीन मुर्गियों में बाल, सींग, खुर तथा दड्डियों के निर्माण में सहायक है।

(iv) यह भ्रूण के विकास में भी सहायक है।

B
S
E

BIHAR BOARD OF SECONDARY EDUCATION, BIHAR

6

$$\boxed{\quad} + \boxed{\quad} = \boxed{\quad}$$

य. पू. पृष्ठ पृष्ठ 6 क अंक कुल अंक



प्रश्न क्रमांक [10] का 3.

अथवा

भारत में साइलेज के कम प्रचलन के 3 कारण निम्न हैं -

(1) भारत में, साइलेज बनाने के लिए आवश्यक छे-चारे पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं हैं।

(2) चारे के खराब होने से भी ग्रामीण कृषक साइलेज बनाने का जोश्विम नहीं उठाते हैं।

(3) भारतीय कृषकों के पास साइलेज बनाने के लिए पर्याप्त साधन उपलब्ध नहीं हैं।

(4) भारतीय कृषकों का निर्धन होना भी साइलेज के कम प्रचलन का एक प्रमुख कारण है।

प्रश्न क्रमांक [11] का 3.

अथवा

उत्तम पशु जाँचकर्ता के आवश्यक गुण निम्न हैं: -

(i) जाँचकर्ता को पशु की नस्ल के बारे में विस्तृत जानकारी होनी चाहिए।

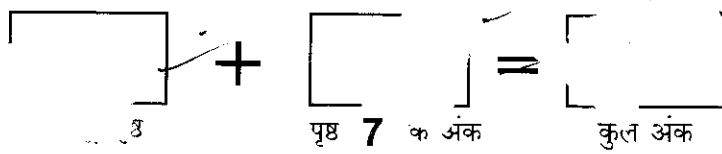
(ii) जाँचकर्ता को पशु की आंतरिक तथा बाह्य शरीर रचना का विस्तृत ज्ञान होना चाहिए।

(iii) जाँचकर्ता के मस्तिष्क में एक स्वस्थ आदर्श पशु का चित्र होना चाहिए।

(iv) जाँचकर्ता को पशुपालन के कार्यों में विशेष रुचि होना चाहिए।

(v) जाँचकर्ता चुरत तथा अनुभवी होना चाहिए।

7



प्रश्न क्रमांक [12] का उ.

गाभिन गाय के प्रमुख लक्षण निम्न हैं:-

- (1) गाभिन गाय शांति धारण कर लेती है, तथा एकांत वातावरण पसंद करती है।
- (2) गाभिन गाय पुत्र: मदचक्र में नहीं आती है।
- (3) गाभिन गाय नर पशुओं को अपने पास नहीं आने देती है।
- (4) गाभिन गाय का दुग्ध उत्पादन कम हो जाता है।
- (5) गाभिन गाय का वजन तथा पेट का आकार बढ़ने लगता है।
- (6) लगभग 5 महीने बाद गाय का अयन विकसित होने लगता है।

प्रश्न क्रमांक [14] का उ.

अथवा

स्वस्थ पशु के प्रमुख लक्षण निम्न हैं:-

- (1) स्वस्थ पशु की आँखें चमकीली तथा कान चुस्त व खड़े हुए होते हैं।
- (2) स्वस्थ पशु जुगाली की क्रिया सुचारु रूप से करता है।
- (3) स्वस्थ पशु की हृदय गति व नाड़ी गति सामान्य होती है।
- (4) स्वस्थ पशु का श्थन गीला रहता है।
- (5) स्वस्थ पशु का तापमान सामान्य होता है।
- (6) स्वस्थ पशु का गोबर दुर्गंध रहित होता है।

कृपया पृष्ठ पलटें -

पानी है:-

8

$$\boxed{} + \boxed{} = \boxed{}$$

योग

पृष्ठ 8 के अंक

कुल अंक



प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक [13] का उ.

पशु चिकित्सा में प्रयुक्त उपकरणों के उपयोग निम्न हैं:-

(a) बर्डिजोकोस्ट्रेटर :- यह धातु का बना हुआ एक यंत्र होता है, जिसका आकार कैंची की तरह होता है।

उपयोग :- बर्डिजोकोस्ट्रेटर यंत्र का उपयोग नर पशुओं को बधिया करने के लिए किया जाता है।

(b) डोकिंग मशीन :- यह धातु की बनी हुई एक मशीन होती है इसे "टेलकटर" भी कहते हैं।

उपयोग :- इस यंत्र का प्रयोग पशुओं की पूँछ काटने के लिए किया जाता है।

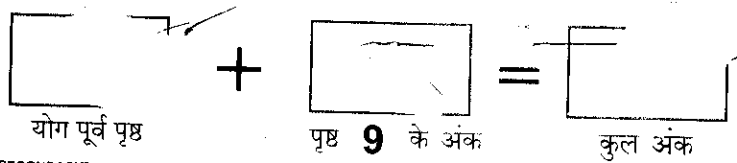
(c) ट्रैचिंग बोतल :- यह लकड़ी, बाँस या धातु की बनी हुई एक खोखली बनी होती है, जिसका एक सिरा बंद रहता है।

उपयोग :- ट्रैचिंग बोतल का प्रयोग पशु को तरल रूप में दवा पिलाने के लिए किया जाता है।

(d) कैंची :- यह धातु या स्टील की बनी हुई कैंची होती है।

उपयोग :- कैंची का उपयोग पशु चिकित्सा में प्रयुक्त पट्टियों, गोखियों, तथा शल्य क्रिया के दौरान लगाये गये टाँकों के धागे इत्यादि को काटने में किया जाता है।

9



प्रश्न क्रमांक [15] का उ.

खड़ी :- "सामान्य दूध को खुली कढ़ाही में धीरे-धीरे गर्म करने पर एक गाढ़ा लक्ष्णदार पदार्थ प्राप्त है, जिसे खड़ी कहते हैं"।

खड़ी का औसत संगठन निम्नानुसार है :-

क्रमांक	अवयव	मात्रा
(1)	जल	36%
(2)	वसा	20%
(3)	प्रोटीन	10%
(4)	लैक्टोज	17%
(5)	खनिज	2%
(6)	शर्करा	15%
	कुल	100%

प्रश्न क्रमांक [16] का उ.

अथवा

क्र.	अवयव	मात्रा
(1)	जल	60%
(2)	वसा	10%
(3)	प्रोटीन	10%
(4)	शर्करा	20%
	कुल	100%

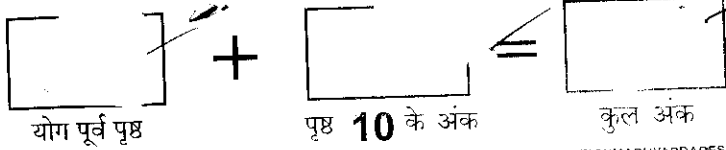
कुल्की का रासायनिक संगठन उपरोक्त है ↑

कृप्या प्रश्न पलट कर पढ़ें।

B
S
E

MADHYA PRADESH BOARD OF SECONDARY EDUCATION

10



प्रश्न क्रमांक (17) का उ.

अथवा

शुद्ध दुग्ध चूर्ण का औसत संगठन निम्नानुसार है:-

क्र.	अवयव	मात्रा
(1)	जल	3.7%
(2)	वसा	26%
(3)	प्रोटीन	27.5%
(4)	लैक्टोज	36.8%
(5)	खनिज	6.0%
	कुल	100%

औद्योगिक स्तर पर दुग्ध चूर्ण बनाने की 2 विधियों के नाम निम्न:-

- (A) फुहार शुष्कन विधि।
- (B) ड्रम शुष्कन विधि।

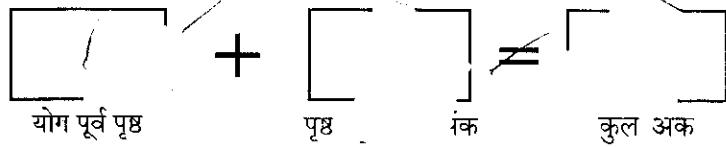
प्रश्न क्रमांक [18] का 3.

प्राकृतिक विधि से अण्डे सेने से होने वाले 3 लाभ निम्न हैं :-

- (i) प्राकृतिक विधि द्वारा अण्डा सेने में व्यय कम आता है।
- (ii) दूसरी विधि द्वारा अण्डा सेने में दोहरा लाभ होता है, पहला तो कुड़क मुर्गियाँ अण्डे सेती हैं, तथा दूसरा मुर्गी (कुड़क मुर्गी) चूजों का पालन पोषण करती है।
- (iii) कुड़क छोटे व्यवसायियों [कुक्कुट पालकों] के लिए यह विधि सबसे उपयुक्त मानी जाती है।
- (iv) कुड़क मुर्गी एक बार उद्भोजन / उद्भोजन करने के पश्चात् लगातार अण्डों को सेती रहती है।
- (v) दूसरी विधि में अतिरिक्त स्थान की आवश्यकता नहीं पड़ती है।

प्राकृतिक विधि द्वारा अण्डे सेने से होने वाली हानियाँ निम्न हैं :-

- (i) दूसरी विधि द्वारा अण्डों को सेने के लिए कुड़क मुर्गी का चयन करना होता है, कुड़क मुर्गी के चयन में कठिनाई होती है। यदि कुड़क मुर्गी के स्थान पर किसी अन्य मुर्गी का चयन कर लिया जाता है तो नुकसान का सामना करना पड़ता है।
- (ii) प्राकृतिक विधि बड़े क्षेत्र पर या बड़े पैमाने (व्यवसायिक स्तर) पर अण्डे सेने के लिए अनुपयुक्त होती है।
- (iii) कुड़क मुर्गी समय पर उपलब्ध नहीं होती है।



प्रश्न क्रमांक (19) का उ.

कुक्कुट आहार में सम्मिलित किये जाने वाले 5 खाद्य पदार्थों के नाम निम्न हैं: -

- (1) अनाजों का मिश्रण।
- (2) चावल या जौ की भूसी।
- (3) मछलियों का चूर्ण।
- (4) कंकड़।
- (5) मूँगफली की खली।
- (6) हड्डियों का चूर्ण।
- (7) खनिज।
- (8) है।

कुक्कुट आहार में जल का महत्व निम्न बिंदुओं के आधार पर स्पष्ट किया जा सकता है -

(1) पानी कुक्कुटों के शरीर से अपशिष्ट पदार्थों को निकालने का कार्य करता है।

(2) पानी कुक्कुट के शरीर के तापमान को नियंत्रित रखता है।

(3) पानी कुक्कुटों की व्यास बढ़ाता है।

(4) पानी कुक्कुटों की वृद्धि एवं विकास में सहायक है।

(5) पानी शुरुआत में मांस तथा अण्डा उत्पादन को बढ़ाता है।

(6) पानी भोजन को घोल का रूप प्रदान करता है।



प्रश्न क्रमांक [20] का 3.

अथवा

कॉक्सिडियोसिस [खूनी दस्त]

(A) रोगकारक :- कॉक्सिडिया नामक प्रोटोजोआ के संक्रमण से होता है।

(B) लक्षण :-

- (1) मुर्गियों को खून के पतले दस्त होने लगते हैं।
- (2) खून की कमी के कारण मुर्गियों की कल्गी, पैर तथा पूरा शरीर पीला पड़ जाता है।
- (3) जमीन पर खत युक्त बीटे पायी जाती हैं।
- (4) मुर्गियाँ झुण्ड के रूप में इकट्ठा होने लगती हैं।
- (5) मुर्गियाँ दाना खाना बंद कर देती हैं।

(C) रोकथाम के उपाय :-

- (i) विभिन्न आयु वर्ग या अलग-अलग आयु के चूड़ों को अलग-अलग कमरों में रखना चाहिए।

(ii) मुर्गशाला की नियमित साफ-सफाई, चूने से पुताई तथा बिछाली हटाना चाहिए।

(iii) मुर्गशाला में समय-समय पर कीटाणुनाशकों का दिसाइकल करना चाहिए।

(iv) मुर्गियों को इकट्ठा नहीं होने देना चाहिए।

XXX

समाप्त